खबर संक्षेप

62 वर्षीय पटवारी प्रकाश बिलासपुरिया को दी गई भावभीनी विदाई

बनखेड़ी। जिला नर्मदापुरम की तहसील बनखेड़ी के हल्का नंबर 29 में लंबे समय तक शासकीय सेवा देने वाले पटवारी प्रकाश बिलासपुरिया के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। 62 वर्षीय श्री बिलासपुरिया ने अपने कार्यकाल में निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्य परायणता से सेवाएं दीं। विदाई समारोह में क्षेत्र के नागरिकों, किसान भाइयों, जनप्रतिनिधियों व सहयोगी अधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और उनके सेवाभावी व्यक्तित्व की सराहना की। लोगों ने कहा कि श्री बिलासपुरिया ने हमेशा पारदर्शिता और जनहित को प्राथमिकता देते हुए राजस्व संबंधी कार्यों को सरल और सुचारु रूप से संपन्न किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी सहजता, विनम्रता और समस्याओं को सुनने व समाधान करने की क्षमता हमेशा मिसाल बनी रहेगी। समारोह में उन्हें शॉल-श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय भविष्य की कामना की।

जनपद पंचायत बनखेड़ी में तीन वर्षों से सीईओ नहीं, विकास कार्यों पर लगा ग्रहण

बनखेड़ी। जनपद पंचायत बनखेड़ी में विगत तीन वर्षों से स्थायी मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति न होने से विकास कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। जमीनी स्तर पर निर्माण एवं पंचायत से जुड़ी मूलभूत योजनाओं की रफ्तार थम सी गई है, जिससे क्षेत्र की जनता में आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों का कहना है कि सीईओ पद की जिम्मेदारी अस्थायी रूप से अन्य अधिकारियों को सौंप दी जाती है, जिससे न तो योजनाओं की निगरानी सही तरीके से हो पाती है और न ही फाइलें समय पर आगे बढ़ पाती हैं। बनखेड़ी जनपद पंचायत के कई गांवों में सड़कों, नालियों, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी जरूरतों से जुड़ी योजनाएं कागज़ों में अटकी हुई हैं। कई निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं, जिनकी गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में है। जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द जनपद पंचायत बनखेड़ी में नियमित सीईओ की नियुक्ति की जाए, ताकि विकास की गाड़ी फिर से पटरी पर लौट सके और जनता को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। लेकिन इस संबंध में जिम्मेदार जनप्रतिनिधि विधायक हो या सांसद मीडिया को जवाब देने से बचते नजर आ रहे हैं जिससे प्रतीत होता है कि जनप्रतिनिधियों की एक भी विधानसभा में या लोकसभा में चल ही नहीं रही और ना ही इनकी मांग पत्र पर कोई विचार कर रहे हैं जिससे क्षेत्र में जमीनी स्तर पर विकास जस के ताश पढ़ा हुआ है। जनप्रतिनिधि चुपके से ग्रामीण क्षेत्र में जाकर अपने चाहतों के घरों में तस्वीर खिंचवाकर और वायरल करने में बाय-बाय लूटने मैं अच्छी तरह से माहिर होना प्रतीत होता है।

पत्ता गोभी के अंदर निकला 'अंधेरी सांप', खोडरी गांव में हड़कंप, डॉक्टर ने बताया जानलेवा

शहडोल। बारिश के मौसम में अगर आप भी पत्ता गोभी खाना पसंद करते हैं तो यह खबर आपके लिए अलर्ट है। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खोडरी गांव में पत्ता गोभी के अंदर सांप जैसे कीड़े के मिलने से सनसनी फैल गई। गांव के शमीम खान के घर में सब्जी बनाते समय यह कीड़ा मिला, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शमीम खान ने बताया कि रविवार शाम वह कमता बाजार से पत्ता गोभी खरीदकर लाए थे। सोमवार सुबह उनकी पत्नी जब सब्जी बनाने लगीं, तभी काटने के दौरान गोभी के बीच से एक लंबा कीड़ा निकला। पहले तो उन्होंने सोचा कोई सामान्य कीड़ा होगा, लेकिन जब वह रेंगने लगा और उसका आकार बड़ा नजर आया तो परिवार घबरा गया। परिजनों ने तत्काल मोहल्ले के अन्य लोगों को बुलाया। एक बुजुर्ग महिला ने देखा और बताया कि यह अंधेरी सांप है एक तरह का जहरीला कीड़ा, जो गांवों में बारिश के मौसम में देखा जाता है। इस घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पत्ता गोभी के बीचों-बीच यह कीड़ा सक्रिय रूप से रेंग रहा है। कई ग्रामीणों ने इसके वीडियो बनाए और सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। जिला अस्पताल के मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. भूपेंद्र सिंह सेंगर ने इस मामले में गंभीर चिंता जताई है।

भमरहा में मुआवजे के लिए किसानों का विरोध

पुलिया बनी, दो साल बाद भी मुआवजा नहीं, किसानों ने रोका रास्ता

पीपुल्स प्रवक्ता, शहडोल।

विकासखंड ब्यौहारी की ग्राम पंचायत भमरहा के अंतर्गत झांपर नदी पर बनी पुलिया को निर्माण के एक से दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन इस परियोजना से प्रभावित 35 से अधिक किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिल पाया है। इस लापरवाही के विरोध में किसानों ने पुल से आवागमन पूरी तरह रोक दिया है। उनका स्पष्ट कहना है जब तक मुआवजा नहीं, तब तक आवागमन नहीं। नाराज ग्रामीणों ने पुलिया के पास सड़क को खुदाई कर खाई का रूप दे दिया है, जिससे हर तरह की आवाजाही बाधित हो गई है। किसान प्रेम शुक्ला ने बताया कि पुलिया निर्माण से उनकी खेती बुरी तरह प्रभावित हुई है, लेकिन प्रशासन से बार-बार शिकायत के बावजूद कोई राहत नहीं मिली।

कई गांवों का टूटा संपर्क टूटा

गोरखपुर, कोना, दुबरी, कोइलारी, लावानगरी और नागाडोल जैसे दर्जनों गांवों का संपर्क इस पुलिया से जुड़ा है, लेकिन सड़क का निर्माण भी अधूरा पड़ा है, जिससे ग्रामीणों को खासकर बरसात के दिनों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासी हरिशरण ने बताया कि नदी में जल स्तर बढ़ते ही दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि वे कई बार स्थानीय प्रशासन और जिला स्तर के अधिकारियों को लिखित में शिकायतें कर चुके हैं, लेकिन न तो मुआवजा मिला, न ही कोई संतोषजनक जवाब। जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल ने बताया कि यह सिर्फ किसानों की समस्या नहीं है, बल्कि इससे स्कूली बच्चे, मरीज और आम राहगीर भी प्रभावित हो रहे हैं।

तहसीलदार ने किया था निरीक्षण

पंचायत प्रतिनिधि पुष्पेंद्र पटेल के अनुसार एक बार तहसीलदार ने मौके पर आकर निरीक्षण जरूर किया था, लेकिन उसके बाद अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। किसानों का गुस्सा अब सड़क पर उतर चुका है। किसान रमेश पटेल ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मुआवजा नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में बारिश के दौरान भी वे पुल को किसी भी हालत में शुरू नहीं होने देंगे। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि मामला संज्ञान में है और गंभीरता से लिया जा रहा है, लेकिन ज़मीन पर किसानों को राहत कब मिलेगी, इसका उत्तर अब तक अधर में है।

सेवानिवृत्ति पर पालिका कर्मचारी को दी विदाई

(बिलाल अहमद)
पीपुल्स प्रवक्ता, बिजुरी

नगर पालिका परिषद बिजुरी में विगत 27 वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे कर्मचारी शशि तिवारी को श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी गई। इस समारोह के अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन साहू ने कहा कि सेवानिवृत्ति कर्मचारी की निश्चित व्यवस्था है। सही में यह एक दौर की शुरुआत है। सभी कर्मचारियों को इस दौर से गुजरना होता है। पवन साहू ने कहा कि शशि तिवारी, एक सच्ची व जिम्मेदार कर्मचारी रही, सेवानिवृत्ति से उपजी उनकी कमी हमेशा खलेगी। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी का कुशलता से निर्वहन किया। इस मौके पर नगर स्वछता निरीक्षक डी एन मिश्रा ने कहा कि शशि तिवारी के कार्यकाल के दौरान नगर में कई विकास के कार्य हुए हैं। शहर में बहुत परिवर्तन आया है। अपने कार्य से उन्होने सभी को प्रभावित किया है। सभी के हित के लिए कार्य किया है। शशि तिवारी की नियुक्ति अनुकम्पा के आधार पर हुई थी।शशि तिवारी ने 27 वर्ष तक नगर पालिका में अपना सेवा देकर सेवानिवृत्त हुई।कार्यक्रम का संचालन नपा ब्रांड ऐम्बसडर कैलाश कोल ने किया।कार्यकम पश्चात नपाधिकारी पवन साहू ने स्वतः ड्राइविंग कर बैंड बाजो के साथ शशि तिवारी को उनके घर तक पंहुचाया। विदाई समारोह के दौरान शशि तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं कहा कि यहां उनका कार्यकाल सबसे अधिक समय तक रहा। यहां के जनप्रतिनिधि, सभी कर्मचारी, नागरिक ने कामकाज के दौरान पूरा सहयोग दिया। यह यादें लेकर वे इस निकाय से जा रहे हैं। कार्यक्रम में पार्षद कलावती सिंह,लक्ष्मी मुकेश शुक्ला, इंजीनियर देवल सिंह, नपा कर्मचारी सुदामा पांडेय, मथुरा प्रसाद कोल,तरुण मिश्रा,कामता सेन,शकील अहमद,प्रिंस रजक,प्रदीप यादव ,सुरेश धनवार, ईस्वर साहू,लक्ष्मी राठौर,प्रियंका सोनी,सुखीराम पूरी,गोपाल यादव,ओम प्रकाश महरा,प्रेम लाल धनवार ,अरुण सिंह,लखन साहू,आदि कर्मचारी शामिल थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कौड़िया 22 के जत्रा तालाब में विधायक बांधवगढ़: कलेक्टर

सी ई ओ जिला पंचायत ने किया श्रमदान

पीपुल्स प्रवक्ता, उमरिया।

आने वाली पीढ़ी के लिए करें जल का संचय- विधायक बांधवगढ़ अभियान के तहत खेत तालाब, अमृत सरोवर, छोटी छोटी जल संरचनाओं का किया गया जीर्णोध्दार- कलेक्टर उमरिया । जिस प्रकार हम अपने बच्चों को अच्छा जीवन देने , उनकी शिक्षा हेतु पैसों का संचय करते है, ठीक उसी प्रकार अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए जल का संचय करे। जल की एक-एक बूंद बूंद को सहेजना हम सबका नैतिक दायित्व है। जल हमारे लिए बहुत उपयोगी है । उक्त आशय के विचार विधायक बांधवगढ़ शिव नारायण सिंह ने करकेली विकास खण्ड के ग्राम पंचायत कौड़िया 22 के जत्रा तालाब में आयोजित श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश शासन की मंशा अनुरूप जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया गया, अभियान के तहत तालाबो, कुओं, बावड़ियों के जीर्णोद्धार का कार्य किया गया। इस अभियान में ग्रामीण जनों का भरपूर सहयोग मिला। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि मनुष्य खाने के बिना तो जीवित रह सकता है लेकिन जल के बिना नही । उन्होंने कहा कि मानव को पीने के लिए जल एवं सांस लेने के लिए शुद्ध वायु की आवश्यकता होती है, इसलिए आवश्यक है कि अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए जल का संरक्षण करें । जल के बिना मानव की परिकल्पना भी नही की जा सकती है । प्रदेश शासन के आव्हान पर उमरिया जिले में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तीन महीनो में खेत तालाब, अमृत सरोवर, छोटी छोटी जल संरचनाओं के जीर्णोध्दार का कार्य किया गया । कलेक्टर ने जत्रा तालाब की पिचिंग एवं घाट निर्माण कराने की भी बात कही । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश शासन के आव्हान पर जिले में प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान से नदी, तालाबों, कुओं की तस्वीर बदल गई है । गांव, गांव नगर नगर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदी, तालाबों, कुओं, घाटों जीर्णोध्दार हुआ है, वहीं जल को बचाने की दिशा में यह अभियान मील का पत्थर साबित हुआ है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मिथिलेश पयासी ने कहा कि प्रदेश सरकार व्दारा जल को संरक्षित करने की दिशा में कारगर साबित हुआ है।

प्रधानमंत्री सिंचाई योजना से बढ़ रही किसानों की आय

ड्रिप इरीगेशन तकनीक से नर्मदापुरम जिले के कृषक आशीष गुर्जर ने हासिल की बेहतर पैदावार

पीपुल्स प्रवक्ता, बनखेड़ी।

कृषि क्षेत्र में जल प्रबंधन और सिंचाई की आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। इसी कड़ी में नर्मदापुरम जिले की बनखेड़ी तहसील के ग्राम आमगांव के प्रगतिशील कृषक श्री आशीष कुमार गुर्जर ने अपने खेत में ड्रिप इरीगेशन तकनीक अपनाकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के तहत मिले संसाधनों एवं तकनीकी मार्गदर्शन से श्री गुर्जर ने अपनी कृषि भूमि में ड्रिप इरीगेशन सिस्टम स्थापित किया। इस तकनीक से उन्होंने सब्जी की खेती कर बेहतरीन उत्पादन हासिल किया है। श्री गुर्जर बताते हैं कि ड्रिप इरीगेशन तकनीक के माध्यम से फसलों को जरूरत के अनुसार और नियमित रूप से जल की आपूर्ति होती है, जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ती है बल्कि जल संरक्षण भी होता है। उन्होंने कहा कि इस पद्धति से खेतों में पानी का अपव्यय रुकता है और पौधों को जड़ों तक उचित नमी प्राप्त होती है। संचालन भी अत्यंत सरल और सुविधाजनक है। किसान श्री आशीष गुर्जर ने क्षेत्र के अन्य किसान भाइयों से अपील की है कि वे भी सब्जियों सहित अन्य फसलों की सिंचाई के लिए ड्रिप इरीगेशन तकनीक का उपयोग करें। इससे जल की बचत के साथ-साथ उत्पादन में भी बढ़ोतरी संभव है और लागत भी कम आती है प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले के अन्य किसान भी आत्मनिर्भर हो रहे हैं और आधुनिक तकनीकों के जरिए खेती को लाभकारी बना रहे हैं।

भालू की संदिग्ध मौत से सनसनी, जांच में जुटा वन विभाग

पीपुल्स प्रवक्ता, शहडोल।

उत्तर वन मंडल के ब्यौहारी रेंज अंतर्गत गोदावल परिक्षेत्र के ढोढा कोयलारी गांव में सोमवार सुबह एक भालू का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई, ग्रामीणों ने जब मृत भालू को देखा, तो वन विभाग को तत्काल सूचना दी। सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंचा और शव को कब्जे में लेकर विधिवत रूप से पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मृत भालू को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। कुछ ग्रामीणों का मानना है कि कहीं जादू-टोना या किसी टोटके के लिए भालू का शिकार तो नहीं कर लिया गया, वहीं, कुछ लोग इसे प्राकृतिक मौत भी बता रहे हैं। फिलहाल स्पष्ट कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। वन विभाग की टीम मौके पर सक्रिय मामले की गंभीरता को देखते हुए

वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर डटे हुए हैं। क्षेत्रीय डीएफओ तरुणा वर्मा ने पुष्टि करते हुए बताया कि गोदावल रेंज के ढोढा कोयलारी में एक भालू मृत अवस्था में मिला है। वन्यजीवों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का सही-सही पता चलेगा। गौरतलब है कि कुछ ही दिन पहले इसी वन परिक्षेत्र में दो हाथियों के जोड़े ने ग्रामीणों पर हमला कर दो लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। ऐसे में एक और वन्यजीव की संदिग्ध मौत ने स्थानीय लोगों में दहशत और चिंता दोनों बढ़ा दी है। फिलहाल जांच जारी है, और वन विभाग यह सुनिश्चित करने में लगा हुआ है कि कहीं यह शिकार का मामला तो नहीं या फिर कोई पारंपरिक अंधविश्वास इसके पीछे जिम्मेदार है।

खिलाड़ियों ने लिया खेलो का प्रशिक्षण

पीपुल्स प्रवक्ता, शहडोल।

मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार शहडोल जिले में आयोजित निःशुल्क ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र, ट्रैक सूट, शूज एवं प्रशिक्षकों को शासन के निर्देशानुसार 5 हजार और 2 हजार के चेक प्रदान कर सम्मानित किया। यह प्रशिक्षण शिविर शहडोल संभागीय मुख्यालय सहित सभी विकासखण्ड मुख्यालयों में 12 मई से 12 जून 2025 तक संचालित किया गया था। संभागीय मुख्यालय पर 15 खेल - एथलेटिक्स, हैंडबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कराते, जुडो, बॉक्सिंग, ताइक्वांडो, लाठी, फुटबॉल, खो-खो, सेपकटकरा और बास्केटबॉल का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं प्रत्येक

विकासखण्ड मुख्यालय में दो-दो खेलों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। शिविर के दौरान ऑनलाइन पंजीयन 985 और ऑफलाइन पंजीयन के साथ कुल 1200 खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों के बीच आपसी स्पर्धाएं आयोजित की गई, जिनमें से प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें प्रदेश की विभिन्न खेल अकादमियों द्वारा संचालित टैलेंट सर्च कार्यक्रम में शामिल कराया गया। समापन समारोह में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, सहायक संचालक खेल एवं फुटबॉल कोच रईस अहमद, प्रशिक्षक अजय सोधिया, कमलकांत साहू, दयानंद सोंधिया, रतन ठाकुर, नरेश कुंडे सहित अन्य खेल प्रशिक्षक एवं प्रतिभागी मौजूद रहे।

जनपद पंचायत बनखेड़ी में ऐई उपयंत्री लालजी सिंह को दी गई विदाई, विकास रुकने पर जताया अफसोस

पीपुल्स प्रवक्ता, बनखेड़ी।

बनखेड़ी जिला नर्मदा पुरम कि जनपद पंचायत बनखेड़ी में एई (उपयंत्री) 12 वर्षों तक सेवाएं देने के बाद लालजी सिंह सेवानिवृत्त हो गए। मूलतः शहडोल से आने वाले श्री सिंह को जनपद कार्यालय में आयोजित विदाई समारोह में भावनात्मक सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लंबे समय तक एक ही स्थान पर कार्य करने का अनुभव अविस्मरणीय रहा, उन्होंने बताया कि पंचायत में निरंतर सीईओ की अनुपस्थिति और प्रशासनिक उदासीनता के चलते विकास कार्यों में बाधाएं आई। उन्होंने पंचायत में अपेक्षित विकास न होने पर खेद जताया और कहा कि योजनाएं तैयार थीं, लेकिन नेतृत्व के अभाव में उनका पूर्ण रूप से क्रियान्वयन नहीं हो सका। लालजी ने कहा कि जनपद पंचायत बनखेड़ी के अंतर्गत आने वाले लगभग तीन से चार ग्राम ऐसे हैं जहां अफसर ही नहीं गांव वाले गरीब लोग बरसात के हल्के से पानी में भी आना-जाना बंद हो जाता है उनकी स्थिति को देखते हुए मुझे भारी खेद हो है। विदाई समारोह में बड़ी संख्या में सरपंच संघ अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि ऐसे हमारे बीच से ऐसे अधिकारी जा रहे हैं जिन्होंने आज दिनांक तक किसी भी प्रकार की पंचायत में समस्या नहीं आने दी और विकास कार्य करने की उचित सलाई व मार्गदर्शन देते रहे बड़े ईमानदारी का परिचय देते हुए कहा के बगैर लोग लालच के हमारे उप यंत्री द्वारा किसी भी कार्यों में रुकावट नहीं डाली गई, इतना ही नहीं सरपंच संघ अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि उप यंत्री द्वारा बगैर साइट पर जाए अपने आंखों से निर्माण देखे बगैर कार्रवाई आगे नहीं बढ़ते थे और मापदंड अनुसार कार्य करने में माहिर रहे। समस्त ग्राम पंचायत के सचिव, जनप्रतिनिधि एवं बनखेड़ी तहसीलदार जनपद प्रभारी सिईओ मौजूद रहे। सभी ने लालजी सिंह के विनम्र व्यवहार, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और तकनीकी दक्षता की सराहना करते हुए उन्हें शॉल-श्रीफल व स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि श्री सिंह जैसे अनुभवी अधिकारियों की सेवा से क्षेत्र को लाभ मिला, लेकिन प्रशासनिक ढांचे में मजबूती होती तो विकास की गति और तीव्र होती। अंत में सभी ने उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की।

हल्की बारिश में ही जलमग्न हुई बनखेड़ी तहसील, जर्जर भवन की हालत बिगड़ी

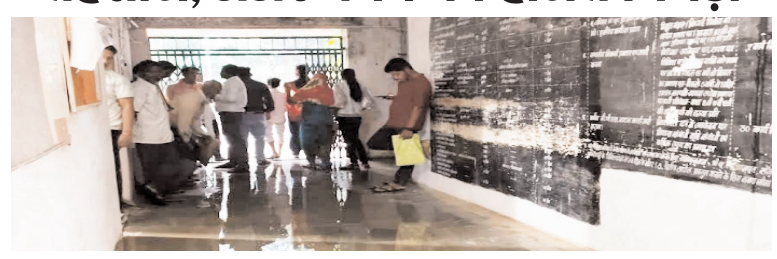

पीपुल्स प्रवक्ता, बनखेड़ी।

बनखेड़ी तहसील का जर्जर भवन एक बार फिर चर्चा में है। हल्की बारिश होते ही तहसील भवन के कमरों में पानी भर गया, जिससे अंदरूनी हिस्से ताल-तलैया जैसे नजर आए। इस स्थिति ने प्रशासनिक कार्यों को बाधित कर दिया और आने-जाने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। तहसील भवन की दीवारों में सीलन, छत से टपकता पानी और फर्श पर जमा कीचड़ ने यह साबित कर दिया कि यह भवन अब कार्य योग्य स्थिति में नहीं है। कर्मचारियों ने बताया कि हर बारिश में यही स्थिति बनती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। ग्रामीणों व अधिवक्ताओं ने भी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि तहसील एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक इकाई है, और इसकी ऐसी स्थिति शासन-प्रशासन की अनदेखी को दर्शाती है। यदि समय रहते नई तहसील भवन की व्यवस्था नहीं की गई तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। इतना ही नहीं उक्त तहसील परिसर में कचरे के लगे हैं अंबर गंदगी चरम पर है लेकिन ग्रामीण क्षेत्र से आए किसान मजदूर अपनी समस्या को लेकर बरसात में खड़ा होना भी दुर्लभ हो रहा है जिसकी तस्वीर बयां करती है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की जा रही है कि वे इस विषय को प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभागों तक आवाज पहुंचाएं ताकि बनखेड़ी को जल्द ही एक नया, सुरक्षित व सुव्यवस्थित तहसील भवन मिल सके।